सार

''मनुष्य चलता तो है, परन्तु उसके डग उसके अधीन नहीं हैं'' (यिर्मयाह 10:23), इसलिए उसे अपने मार्ग में सहायता के लिए अलौकिक ज्योति की आवश्यकता है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, हमारे प्रेमी पिता ने अपना अनन्त वचन अर्थात बाइबल उपलब्ध करवाई है। इस पवित्र पुस्तक को ऐसे तैयार किया गया है जिससे ''परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिए तत्पर हो जाए'' (2 तीमुथियुस 3:17)। इसके पन्नों में ही जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखने वाली हर बात मिलती है (2 पतरस 1:3)।

बाइबल की पूर्णता

एक बहुमूल्य सांत्वना और आशा का स्रोत यह आश्वासन है कि बाइबल पूर्ण रही है, है, और हमेशा रहेगी। यीशु ने प्रतिज्ञा की कि पवित्र आत्मा उसके प्रेरितों की ''सब सत्य'' (यूहन्ना 16:13) में अगुआई करेगा। एक बार अगुआई हो जाने के बाद, कोई नया दूसरा प्रकाशन नहीं बनाया जा सकता। ''स्वतन्त्रता की सिद्ध व्यवस्था'' (याकूब 1:25) देने का काम पूरा कर लेने के बाद आत्मा ने इसे लिखवा दिया और मनुष्य को ''एक ही बार सौंपा गया'' (यहूदा 3)। पहली सदी में स्वर्ग से लाभ देने का काम एक बार पूरा होने के बाद, बाइबल की बातों में किसी बदलाव ने केवल मनुष्य की अगुआई में गड़बड़ी ही करनी थी (गलतियों 1:8, 9), चाहे कोई स्वर्गदूत ही करता। अगुआई की इस आत्मा की प्रेरणा से दी हुई पुस्तक में कुछ जोड़ने या इसमें से घटाने वाले के लिए स्वर्ग से शाप ठहराया गया है (2 यूहन्ना 9-11; प्रकाशितवाक्य 22:18, 19)। केवल यही एक पुस्तक है जिसे सुधारने की आवश्यकता नहीं है। यदि बहुत से ''स्पष्ट और बहुमूल्य भाग'' खो चुके हैं (जैसा कि मॉरमन की पुस्तक में दावा किया गया है; 1 नेफी 13:26, 40), तो जरूरतमंद, पाप में डूबे हुए मनुष्य की स्थिति असहाय की है। यदि यह सत्य होता, तो पापियों के लिए परमेश्वर का प्रेम और अपनी संपूर्ण बाइबल के लिए पूर्वप्रबन्ध द्वारा उसकी सुरक्षा की तारीफ नहीं की जा सकती थी।

यद्यपि राजाओं और अविश्वासियों और धर्मावलम्बियों ने ''जीवित और प्रबल'' वचन का विरोध किया है (इब्रानियों 4:12), परन्तु स्वर्ग से मिली पुस्तक (2 पतरस 1:21) न बदली है और न बदलेगी। यीशु ने यह पुष्टि की कि बाइबल का उसका भाग नाश नहीं होने

वाला: ''आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी'' (मत्ती 24:35; देखिए यूहन्ना 12:48)। सम्पूर्ण बाइबल के लिए, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है कि ''प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहेगा'' (1 पतरस 1:25)।

बाइबल की पुष्टि

पुरातत्व का फावड़ा सच्चाई और बाइबल का मित्र है। फलस्तीनी खुदाइयों में कई वर्षों तक काम करने के बाद, सिनसिनाटी की हिब्रयू यूनियन सेमिनरी के प्रोफेसर नैल्सन ग्लुएक ने लिखा है कि उसकी और उसके साथियों की खोजें, बाइबल के तथ्यों की पुष्टि करती हैं। उसने कहा कि बाइबल के किसी ऐतिहासिक कथन का ''किसी पुरातत्व खोज ने कभी विरोध या खण्डन नहीं किया।''[1]

सारांश

मसीही लोग समझ आने वाले भरोसे के साथ, विश्वास करना जारी रखते हैं कि स्वर्गीय प्रकाशन की उनकी आवश्यकता को स्वर्ग की ओर से बाइबल का दान देकर पूरा कर दिया गया है। उस अच्छे दानी ने सब पीढ़ियों के लिए उस दान के पूर्वप्रबन्ध की सुरक्षा की आवश्यकता को पूरा कर दिया है।

पाद टिप्पणियां

[1]नैहसन ग्लुएक, ''न्यूयॉर्क टाइम्स बुक रिव्यू,'' न्यूयॉर्क टाइम्स (28 अक्तूबर 1956)।

मसीह से सम्बन्धित चुनिन्दा भविष्यवाणियां और उनका पूरा होना

भविष्यवाणी	कहां हुई	पूरी हुई
स्त्री का वंश	उत्पत्ति 3:15	गलतियों 4:4; रोमियो 16:20
इब्राहीम का वंश	उत्पत्ति 12:1-3	गलतियों 3:16
यहूदा का गोत्र	उत्पत्ति 49:10	इब्रानियों 7:14
दाऊद का वंश	भजन 89:3, 4	रोमियों 1:3
कुंवारी से जन्म	यशायाह 7:14	मत्ती 1:22, 23
बैतलहम, जन्म लेने का नगर	मीका 5:2	मत्ती 2:1, 5
उसके आगे आने वाला	यशायाह 40:3	मत्ती 3:1, 3
गलील में उसका जाना	यशायाह 9:1, 2	मत्ती 4:12-16
उसकी बुद्धि	यशायाह 11:1-3; भजन 78:2	मत्ती 13:55; यूहन्ना 7:15, 46
उसके काम	यशायाह 35:5; 61:1-3	मत्ती 11:2-6
उसकी धुन	भजन 69:9	यूहन्ना 2:16, 17
उसका ठुकराया जाना	यशायाह 53:3	यूहन्ना 1:11
एक दुखी मनुष्य	यशायाह 53:3	मत्ती 26:38
शोक का ज्ञाता	यशायाह 53:3	यूहन्ना 11:35
उसका कोड़े खाना	यशायाह 53:5	1 पतरस 2:24
पाप उठाने वाला	यशायाह 53:11, 12	2 कुरिन्थियों 5:21
कोई विरोध न करना	यशायाह 53:7	यूहन्ना 18:8; 1 पतरस 2:23, 24
उसके चेलों की कायरता	जकर्याह 13:7	मत्ती 26:31-36
उसका पकड़वाया जाना	भजन 41:9; 55:12-15	यूहन्ना 13:18
लहू के धन का मोल	जकर्याह 11:12	मत्ती 26:14, 15
लहू के धन का उपयोग	जकर्याह 11:13	मत्ती 27:5-7
थूका जाना और कोड़े मारना	यशायाह 50:6	मत्ती 27:26, 30
अपराधियों के साथ गिना जाना	यशायाह 53:12	मरकुस 15:27, 28
पित्त और सिरका	भजन 69:21	मत्ती 27:34; यूहन्ना 19:28-30
ठट्ठा किया गया	भजन 22:7, 8	मत्ती 27:39-44
उसके वस्त्रों का बांटे जाना	भजन 22:18	मत्ती 27:35; यूहन्ना 19:23-28
उसके हाथ व पांव बेधे गए	भजन 22:16; जकर्याह 12:10	यूहन्ना 19:37

परमेश्वर द्वारा ठुकराया हुआ	भजन 22:1	मत्ती 27:46
कोई हड्डी न टूटी	भजन 34:20	यूहन्ना 19:33-36
बिनती करना	यशायाह 53:12	लूका 23:34
उसके आत्मा की सराहना	भजन 31:5	लूका 23:46
धनी आदमी की कब्र	यशायाह 53:9	मत्ती 27:57-60
अविनाशी	भजन 16:8-10	प्रेरितों 2:31
उसका स्वर्ग में उठाया जाना	भजन 24:7-10; 68:18	प्रेरितों 1:9; इफिसियों 4:8
उसका राज्याभिषेक	भजन 45:6, 7; 110:1-5	इब्रानियों 1:8, 9